No. of Printed Pages : 4

EHD–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) संतों भाई आई ग्यान की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उडाणी माया रहै न बाँधी॥

हिति चत की द्वै थूनी गिरानी, मोह बलीडा तूटा।

त्रिस्नां छानि परी घर ऊपर, कुबुधि का भांडा फूटा॥

जोग जुगति करि संतौ बाँधी, निरचू चुवै न पाणी।

कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाणी॥

आँधी पीछै जौ जल बूढ़ा, प्रेम हरी जन भीना।

कहै कबीर भान के प्रगटें, उदित भया तम षीना॥

(ख) सुभर समुद अस नैन दुइ मानिक भरे तरंग।

आवत तीर जाहिं फिरि काल भँवर तेन्ह संग॥

(ग) तजि तीरथ, हरि राधिका तन दुति करि अनुरागु।

जिहि ब्रज केलि निकुंज मग, पग-पग होतु प्रयागु॥

(घ) सिहर उठे पुलकित हो द्रुम-दल

सुप्त समीरण हुआ अधीर,

झलका हास कुसुम-अधरों पर

हिल मोती का सा दाना;

खुले पलक, फैली सुवर्ण छवि,

जगी सुरभि, डोले मधु बाल,

स्पंदन कम्पन औ' नवजीवन

सीखा जग ने अपनाना।

(ङ) रंग-बिरंगी पंखुड़ियों की खोल चेतना

सौरभ से मँह-मँह महकाती है दिगन्त को

मानव मन को भर देती है दिव्य दीप्ति से

शिव के नन्दी–सा नदिया में पानी पीता

निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है

काल काग की तरह ठूँठ पर गुमसुम बैठा

खोयी आँखों से देख रहा है दिवास्वप्न को।

(च) अहं की चट्टान को यह फोड़ती

आ रही आवाज किसकी

एक गहरी चुप सभी के ओठ सीखें।

बाँसुरी की कब्र पर चुप का कफन मैं।

मुट्ठियों, पत्थर किये हैं बन्द।

कौन ?

2. आदिकालीन काव्य की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए। 16

3. प्रगतिवादी कविता के अभिव्यंजना–शिल्प की विवेचना कीजिए। 16

4. बिहारी के काव्य की विशेषताएँ बताइए। 16

5. भक्तिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 16

6. मीराबाई के काव्य के अभिव्यंजना–शिल्प की विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 16

7. निराला के काव्य की अन्तर्वस्तु को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 16

8. अज्ञेय के काव्य की विशिष्टताओं का विवेचन कीजिए। 16

9. हिन्दी में खंडकाव्य परंपरा का परिचय दीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times8=16$

(क) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य

(ख) कबीर की काव्य-भाषा

(ग) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(घ) बीसलदेव रासो

× × × × ×